



# REET 2025 LEVEL-1&2



## वंदन बैच

## संस्कृत

## उपसर्ग एवं प्रत्यय



LIVE

04-02-2025 03:00 PM



# REET 2025 L-1

हार

सम् + हार = संहार

वि + हार = विहार

आ + हार = आहार

TIME TABLE



## REET 2025

## LEVEL-1 & 2



# वंदन बैच



MATHS  
L-1 07 AM



GEOGRAPHY  
L-2 10 AM



हिंदी  
L-1 & L-2 11 AM



CDP  
L-1 & L-2 02 PM



ENGLISH  
L-1 & L-2 03 PM



संस्कृत  
L-1 & L-2 03 PM



EVS  
L-1 04 PM



PHYSICS  
L-2 04 PM



MATHS  
L-2 05 PM



POLITY  
L-2 07 PM



CHEM+ BIO  
L-2 07 PM



HISTORY  
L-2 08 PM

Registration Starts from

**23<sup>rd</sup> DEC**

Classes Start from

**26<sup>th</sup> DEC**

JOIN US ON



DOWNLOAD THE  
RWA APP NOW



Google Play



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

**उपसर्ग (भाषा प्रथम व भाषा द्वितीय दोनों के लिए)**

**परिभाषा-** जब प्र परा, अप, आदि अव्यय शब्दों का प्रयोग धातु से पहले होता है तब वे प्र, परा, अप आदि उपसर्ग कहलाते हैं। 'उपसर्ग' अव्यय' इसको दूसरे नाम से भी कहा जाता है। जो शब्द सदा एक ही रूप में होता है, वह अव्यय कहलाता है।

अर्थात् जिस शब्द के स्वरूप में कोई भी विकार नहीं होता है वह 'उपसर्ग' नाम से कहा जाता है। जो अव्यय धातु से पूर्व अथवा विशेषण शब्द से पूर्व अथवा संज्ञा आदि शब्द से पूर्व लगाया जाता है वह उपसर्ग कहा जाता है। भट्टोजिदीक्षित का कहना है-



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

उपसर्गेणैव धात्वर्थो बलादन्यत्र नीयते ।

प्रहाराहारसंहारविहार परिहारवत् ॥

"उपसर्ग के द्वारा धातु का अर्थ बलात् दूसरी ओर ले जाया जाता है। जैसे-प्रहार, आहार, संहार, विहार, परिहार आदि।"

संस्कृत में 'हृ' हरण अर्थ में धातु से एक 'हार' शब्द बनाया जाता है। इसी 'हार' एक शब्द के दो अर्थ होते हैं। विभूषण-आभूषण के प्रसंग में 'हार' शब्द का 'स्वर्णहार' 'मुक्ताहार' 'पुष्पहार' इत्यादि अर्थ होते हैं। युद्ध के प्रसंग में 'हार' का अर्थ 'पराजय' होता है।



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

किन्तु अलग-अलग उपसर्गों के प्रयोग से इसी 'हार' शब्द के अनेक अर्थ होते हैं। जैसे 'प्रहार' शब्द का अर्थ 'आक्रमण' होता है। 'आहार' शब्द का अर्थ 'भोजन' होता है। 'विहार' शब्द का अर्थ 'भ्रमण' होता है। 'उपहार' शब्द का अर्थ अभिनन्दन के लिए दिया गया पदार्थ, यह अर्थ होता है। 'उपसंहार' शब्द का अर्थ किसी लेख या निबन्ध की 'समाप्ति' यह अर्थ होता है।



# REET 2025 L-1&2



## संस्कृत

## वंदन बैच

संस्कृत भाषा में 22 उपसर्ग हैं, वे इस प्रकार हैं-

| उपसर्ग | अर्थ                           | उदाहरण           |
|--------|--------------------------------|------------------|
| प्र    | अधिक, प्रकृष्ट, पूरी तरह       | प्रहरति, प्रलपति |
| परा    | निषेध, विरोध, पीछे,<br>उल्टा   | पराजयते          |
| अप     | हीनता, न्यूनतम, दूर, बुरा      | अपहरति           |
| सम्    | अच्छा, सम्पूर्ण, उत्तम,<br>साथ | संवदति           |

सम् सम् संव संवद

① પ્ર ② પરા ③ અપ ④ સંગ ⑤ અજ ⑥ ભવ ⑦ નિર્મ ⑧ નિ ⑨ કુમ ⑩ ફર  
⑪ વિ ⑫ આડ ⑬ નિ ⑭ આખે ⑮ આપે ⑯ આતે ⑰ સુ ⑱ અ  
⑲ આમિ ⑳ પ્રાતિ ㉑ પરિ ㉒ અપ



# REET 2025 L-1&2



## संस्कृत

## वंदन बैच

| उपसर्ग | अर्थ                   | उदाहरण             |
|--------|------------------------|--------------------|
| अनु    | पीछे, प्रत्येक, साथ    | अनुगच्छति, अनुसरति |
| अव     | समझना, नीचे            | अवगच्छति           |
| निस्   | निषेध, बाहर, रहित      | निश्छलः, निष्कर्ष  |
| निर्   | बाहर, निषेध            | निर्गच्छति         |
| दुस्   | कठिन, बुरा             | दुश्शास्ति         |
| दुर्   | बुरा, कठिन             | दुराचरति           |
| वि     | विभिक्त, विशिष्ट, रहित | विजयते, विलपति     |



# REET 2025 L-1&2



## संस्कृत

## वंदन बैच

| उपसर्ग  | अर्थ               | उदाहरण             |
|---------|--------------------|--------------------|
| आङ् (आ) | सीमा, ग्रहण, विरोध | आगच्छति            |
| नि      | निषेध, नीचे, बिना  | निषेधति            |
| अपि     | हीन                | अपिधत्ते, अपिगिरति |
| अधि     | प्रधानता, समीपता   | अधिगच्छति          |
| अति     | बहुत, अधिक, पर     | अतिशेते            |
| सु      | अच्छा, सुन्दर      | सुशोभते            |
| उत्     | ऊपर, ऊँचा          | उत्तिष्ठति         |

1) आज 2) आ (C) म  
(ब)



# REET 2025 L-1&2



## संस्कृत

## वंदन बैच

| उपसर्ग | अर्थ                               | उदाहरण     |
|--------|------------------------------------|------------|
| अभि    | पास, सामने, ओर, इच्छा              | अभिगच्छति  |
| प्रति  | प्रत्येक, बराबरी,<br>विपरीत, उल्टा | प्रतिभाषते |
| परि    | चारों ओर, आसपास                    | परिचरति    |
| उप     | पास, छोटा, निकट,<br>समान, गौण      | उपगच्छति   |



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

विशेष- कहीं-कहीं एक से अधिक भी उपसर्गों का प्रयोग होता है।

जैसे- वि+अव+हरति = व्यवहरति । अभि+नि+विशते = अभिनिविशते ।

वि उक्त हरति

अभि नि



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

|                                                                                               |     |
|-----------------------------------------------------------------------------------------------|-----|
|  प्रभवति     | प्र |
|  प्रक्षालयति | प्र |
|  प्रकासयति   | प्र |
|  प्राञ्चति   | प्र |
|  प्रचारः   | प्र |
|  प्रयत्नः  | प्र |
|  प्रकृतिः  | प्र |
|  प्रहारः   | प्र |



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

|                                                                                              |     |
|----------------------------------------------------------------------------------------------|-----|
|  परायते     | परा |
|  पराभवति    | परा |
|  परावर्तते  | परा |
|  परावृत्ति  | परा |
|  परासनम्  | परा |
|  पराजयः   | परा |
|  पराक्रमः | परा |
|  पराभव    | परा |



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

|                                                                                               |     |
|-----------------------------------------------------------------------------------------------|-----|
|  परामर्षः    | ५२१ |
|  अपवादः      | ३५  |
|  अपव्ययः     | ३५  |
|  अपहरति      | ३५  |
|  अपयशः     | ३५  |
|  अपज्ञानम् | ३५  |
|  अपादानम्  | ३५  |
|  अपस्मारः  | ३५  |



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

|                                                                                             |    |
|---------------------------------------------------------------------------------------------|----|
|  अपशब्दः   | अप |
|  अपकरोति   | अप |
|  अपभ्रंशः  | अप |
|  अपमानः    | अप |
|  अपकारः  | अप |
|  अपकर्षः | अप |
|  अपशब्दः | अप |
|  सन्तोष  | अम |



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन वैच**

|                                                                                             |      |
|---------------------------------------------------------------------------------------------|------|
|  समर्पणम्  | सम   |
|  संवेगः    | सम   |
|  सम्भोगः   | सम   |
|  संस्कारः  | सप्त |
|  संयमः   | सम   |
|  संहारः  | सम   |
|  संसर्गः | सम   |
|  अनुकूलः | अन   |

(संस्कृत) = सम + कृ + क्त  
↓  
(संस्कृत) (आप्त)



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

|                                                                                               |          |
|-----------------------------------------------------------------------------------------------|----------|
|  अनुजः       | अनुज     |
|  अनुक्रोशः   | अनुक्रोश |
|  अनुभवः      | अनुभव    |
|  अनुकम्पा    | अनुकम्पा |
|  अनुरक्ति  | अनुरक्ति |
|  अनुप्रासः | अनुप्रास |
|  अनुरागः   | अनुराग   |
|  अनुकम्पा  | अनुकम्पा |



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

 अनुशीलनम्

 अनुचरः

 अनुस्वार

 अनुराधा

 अनुसूचित

 अनुचरः

 दुर्गतिः

 दुर्जनः

५२



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

 दुर्वादः

 दुर्वचनम्

 दुराचरण

 दुर्बोध

 दुर्गम

 दुर्नय

 दुर्लभ

 दुर्योधन



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

 दुर्भाग्यम्

 विकसति

 विक्रयः

 विग्रहः

 विकारः

 विश्रुतिः

 विषमः

 व्याधिः

वि + आप्



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

 विवाहः

 व्यंजन :

 आगच्छति

आ५

 आवहति

आ५

 आचरति

आ५

 आनयति

 आहरति

 आवसति



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

 आरोहति

 आविशति

 आलपति

 आखेटः

 आदेशः

 आहारः

 आजीवन :

 आकण्ठः

५२



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

 आदेश :

 आकाश :

 अतिक्रमण

 अतिदानम्

 -अतिसक्तिः

 अत्युक्तिः

 अत्यारूढ :

 अतिवृष्टिः



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

 अत्यस्ति

 अतिसर्गः

 सुप्तः

 सकर्मः

 स्वागतम्

 सुपुत्रः

 सुस्वरः

 प्रतिकारः



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

 प्रतिध्वनि

 प्रतिकाशः

 प्रतिनिधिः

 प्रतिक्षेपः

 प्रत्युपदेशः

 प्रत्युपकारः

 प्रत्यूहः

 प्रत्युत्थितः



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

 प्रत्युक्तिः

 प्रत्यासन्नः

 प्रत्यर्पणः

 प्रतीक्षाः

 प्रत्युत्तरः

 प्रतिष्ठाः

 परिग्रहः

 परिणतिः



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

 परिज्ञानम्

 परिकल्पनम्

 परिक्रमः

 परीक्षकः

 परीक्षा

 परीप्सा

 पर्युपासनम्

 परिषद्



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

 परिवारः

 पर्यावरणः

 परिश्रमः

 परिधिः

 उपकारः

 उपगच्छति

 उपविशति

 उपदिशति



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

 उपग्रहः

 उपयोगः

 उपदेशः

 उपाध्यायः

 उपवासः

 उपहरति

 उपार्जति

 उपकृष्णम्:



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

 उपेक्षा:

 उपमानः

 उपमेयः

 निरादरः

 निर्वाहः

 निर्यातः

 निर्जनम्

 निर्धनम्



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

 निरुक्तम्

 निर्णायकः

 निर्देशः

 निर्वेदः

 निर्णयः

 निरीक्षणम्

 निर्यातः

 निरक्षरः



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

 निरामिषः

 निर्जनः

 निर्बलः

 अधिभारः

 अधिशेते

 अधिकारः

 अध्यक्षः

 अधिहरिः



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

 अधिलोकम्

 अधिभारतः

 अधिकृत्य

 अधिकारी

 अधिग्रहणम्

 अधिक्षेपः

 अधिष्ठाता

 अध्यादेशः



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**



अधीनः



अध्यात्मः



अध्यक्षः



अवचिनोति



अवगच्छति



अवपतनम्



अवतरति



अवसरति



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

 अवदानम्

 अवशीलनम्

 अवमानम्

 निश्चिनोति

 निश्चयः

 निश्छलः

 निश्फलः

 निस्तेजः



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

 निस्सारः

 दुष्करोति

 दुश्चरति

 दुश्चरित्रः

 दुष्करम्

 दुष्परिणामः

 दुष्कर्मः

 दुश्शासनः



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

 दुस्तरः

 निडरः

 निवासः

 निषेधः

 निसारः

 निहारः

 निवारणम्

 निषीदति



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

 निवसति

 निषेधः

 निबन्धः

 अपिहितम्

 अप्यस्ति

 अप्याहारः

 अपिगिरति

 अप्याशा



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

 अपिधानः

 अपिहितः

 अपितुः

 उत्पतति

 उद्गच्छति

 उत्तिष्ठति

 उद्गमः

 उत्तमः



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

 उत्थानम्

 उद्धारः

 उत्थाय

 उच्चारणम्

 उच्छिष्टः

 उन्नतिः

 उल्लेखः

 अभ्युदयः



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

 अभिमानः

 अभियानम्

 अभियुक्तम्

 अभ्यागतः

 अभियुक्ते

 अभिभवति

 अभ्यागतः

 अभीष्टः



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**



अभीप्सा:



अभ्युदयः



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

**प्रत्यय [भाषा प्रथम व भाषा द्वितीय दोनों के लिए]**





# REET 2025 L-1&2



## संस्कृत

## वंदन बैच

**प्रत्यय :-**

शब्द

धातु अथवा प्रातिपदिक के बाद जिसका प्रयोग किया जाता है, वह प्रत्यय कहलाता है। अथवा किसी सूत्र के द्वारा जिसका विधान (रचना) होता है, उसे प्रत्यय कहते हैं। प्रत्यय के सहयोग से धातु का या शब्द का एक निश्चियार्थक भाव प्रकट होता है।

प्रत्यय तीन प्रकार का होता है-

- (1) कृत् (कृदन्त) (2) तद्धित (3) स्त्री प्रत्यय

गान्तान्

गाम् + वतन्त  
↓  
गान्तान्  
↓  
गान्तान्

वतन्त

वत् वान्  
↓  
वत् वान्  
↓  
वत् वान्



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

**तद्धित प्रत्यय :-**

जिन प्रत्ययों का प्रयोग संज्ञा, सर्वनाम आदि शब्दों के बाद किया जाता है।

जैसे- लघु + तमप् - लघु + तम = लघुतम

**स्त्री प्रत्यय :-**

जिन प्रत्ययों का प्रयोग पुल्लिंग शब्दों का स्त्रीलिंग में परिवर्तन के लिए किया जाता है, उन्हें स्त्री प्रत्यय कहते हैं।

जैसे- अज + टाप् - अज + आ = अजा



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

**क्त प्रत्यय**

~~क्त~~ प्रत्यय (त)

क्त प्रत्यय में त शेष रहता है। क् की 'लशक्वतद्धिते' सूत्र से इत् संज्ञा व लोप होता है। इसका अर्थ भूतकाल में होता है। इसका प्रयोग **कर्मवाच्य** और **भाववाच्य** में होता है। इसका रूप राम, रमा और फल के समान चलता है या जिसके लिए प्रयोग होगा उसी के अनुसार चलता है।

❖ **क्त और क्तवतु** की निष्ठा संज्ञा होती है। निष्ठा का अर्थ समाप्ति होता है। कृत् का अर्थ करने वाला होता है। भूतकाल में कृत् प्रत्यय दो प्रकार का होता है। कृत्य और कृत्।

कर्म प्रधान

सः  
तेजः

विद्यालय

जान् = वह विद्यालय गायो

विद्यालयः

जानः ओके

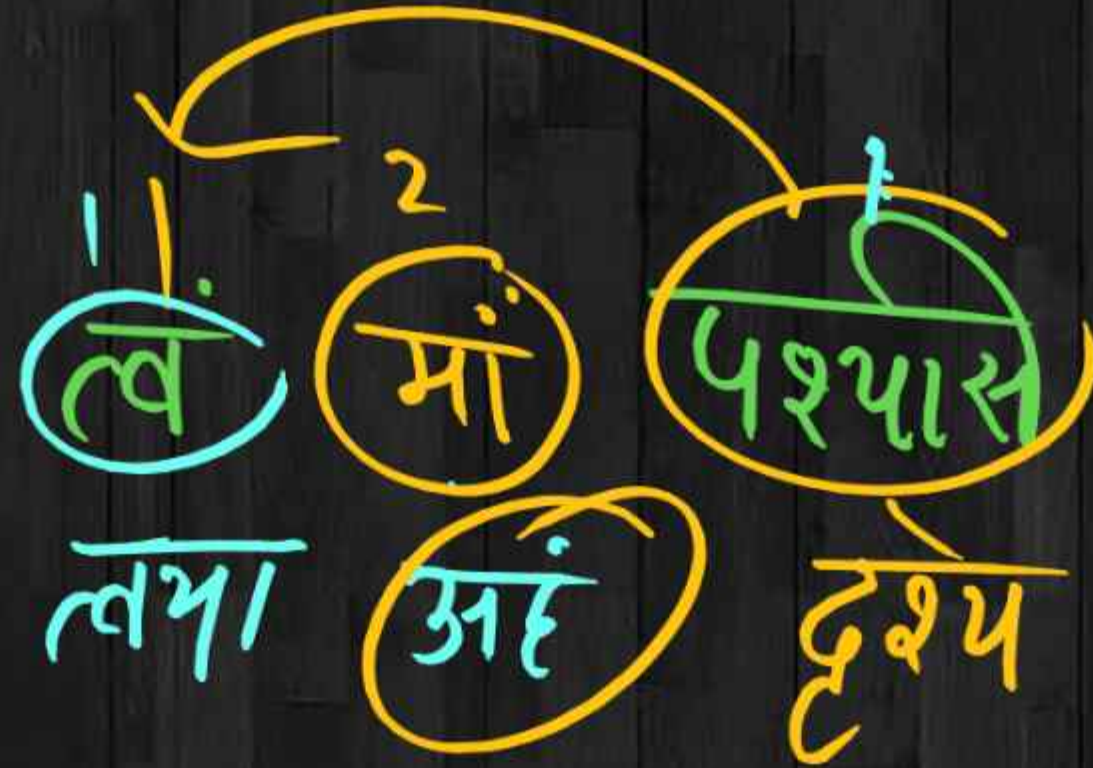
कर्म प्रधान  
कर्मवान्

गाम् + केन

कर्म  
कर्म  
क्रिया  
1 2 1  
3 1 1

केन  
कर्म, गाम्  
कर्म  
कर्म  
कर्म

३ । ।





**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

- ❖ कृत् प्रत्यय का मुख्यतया कर्तृवाच्य में प्रयोग होता है।
- ❖ कृत्य प्रत्ययों का प्रयोग धातुओं से भाव और कर्म में होता है।
- ❖ कृत्य प्रत्यय सात प्रकार के होते हैं। तव्यत्, तव्य, अनीयर्, केलियमर्, यत्, क्यप्, ण्यत्



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

क्यप्, ण्यत्

सूत्र :

**क्तक्तवतूनिष्ठा** - क्त और क्तवतु प्रत्यय की निष्ठा संज्ञा होती है।

क्त

भूतवात्

पु. स्त्री. नपु.

तः ता तम्

कर्मधारय, भावार्थ

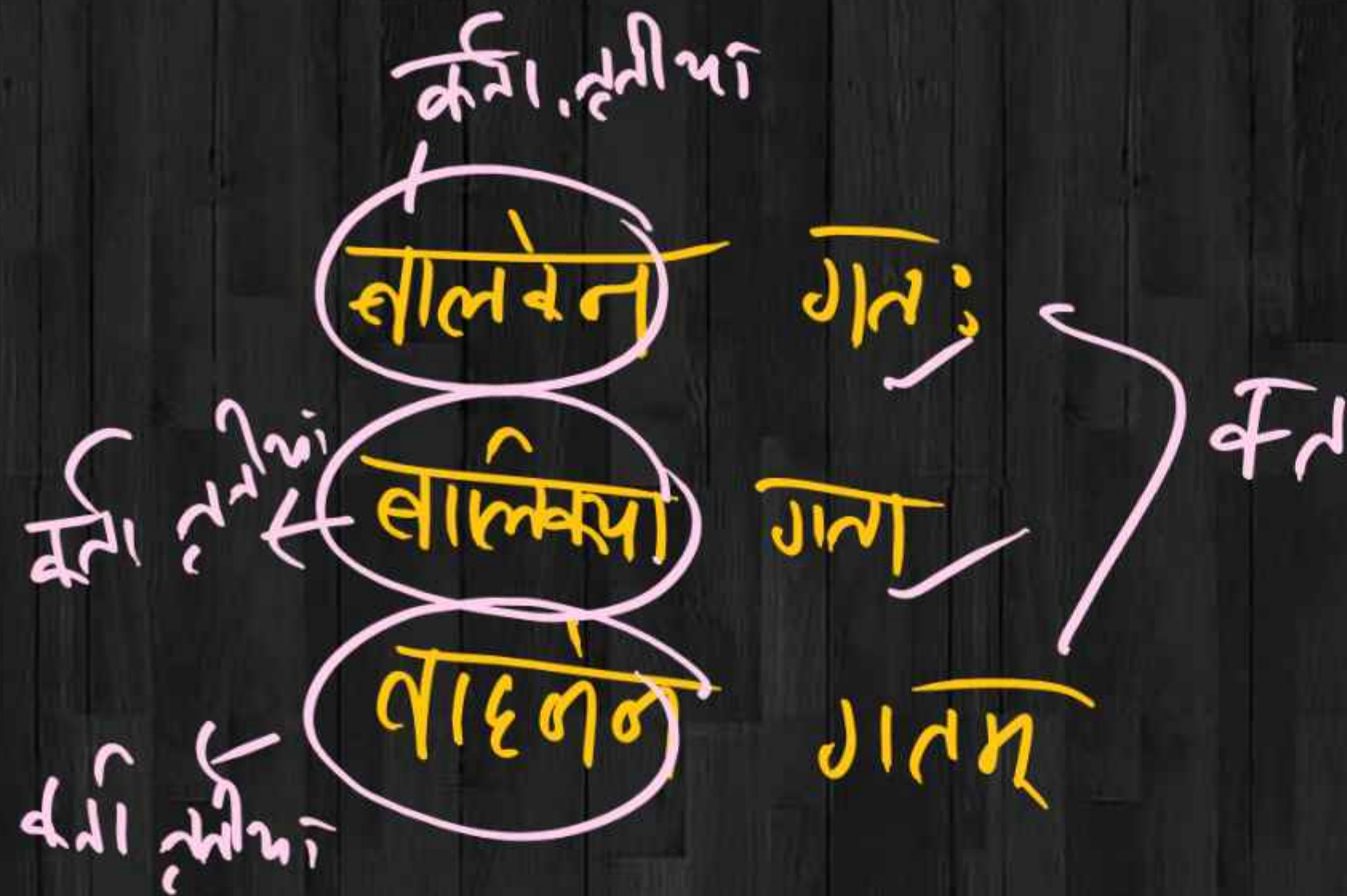
क्तवत्

भूतवात्

पु. स्त्री. नपु.

वान् वती वत्

कर्मधारय, भावार्थ



बालक: गानवान्  
 बालिका गानवती  
 वाइज गानवन्



# REET 2025 L-1&2



## संस्कृत

## वंदन बैच

(1) नियम : जिस धातु के अन्त में म् और न् हो तो उसका लोप कर देते हैं-

| धातु प्रत्यय | पुल्लिङ्ग | स्त्रीलिङ्ग | नपुंसकलिङ्ग |
|--------------|-----------|-------------|-------------|
| गम् + क्त    | गतः ✓     | गता ✓       | गतम् ✓      |
| हन् + क्त    | हतः ✓     | हता ✓       | हतम् ✓      |
| नम् + क्त    | नतः       | नता         | नतम्        |
| मन् + क्त    | मतः       | मता         | मतम्        |
| यम् + क्त    | यतः       | यता         | यतम्        |



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

लेकिन निम्न शब्दों में यह नियम लागू नहीं होगा।

जैसे- शम् + क्त = शान्तः)

जन् + क्त = जातः

खन् + क्त = खातः



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

(2) नियम : आ, इ, उ, ऋ में सीधे त जुड़ता है-

कृ + क्त = कृतः, कृता, कृतम्

नी + क्त = नीतः ना तम्

क्री + क्त = क्रीतः

चि + क्त = चितः

ज्ञा + क्त = ज्ञातः

भू + क्त = भूतः

पा + क्त = पीतः (पीया) ✓



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

पा + क्त = पातः (रक्षा किया)

जैसे- बालकेन जलं पीतम्। (पा + क्त)

(बालक ने जल पीया)

पित्रा बालकः पातः। (पा + क्त)

(पिता ने बालक की रक्षा की)

स्मृ + क्त = स्मृतः

घृ + क्त = घृतः

भी + क्त = भीतः

श्रु + क्त = श्रुतः

श्रि + क्त = श्रितः



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

यहाँ निम्न शब्दों में यह नियम नहीं लागेगा।

घ्रा + क्त = घ्राणः, घ्रातः

ग्लै + क्त = ग्लानः

स्था + क्त = स्थितः

भि०णः    भि०णा    भि०णां = भि० + क्त  
दि०णः    दि०णा    दि०णां = दि० + क्त



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

**नियम 3 : रदाभ्यां निष्ठातो नः पूर्वस्य च दः**

जिस धातु के अन्त में द् हो और उसके बाद में निष्ठा त हो, तो द् और त् दोनों के स्थान पर न् होता है।

द् + त् = न्

५१

छिद् + क्त = छिन्नः

भिद् + क्त = भिन्नः

प्र + सद् + क्त = प्रसन्नः

छिद् + क्त (न)।  
न

भिद् + क्त (न)।  
न

प्र + सद् + क्त  
न



# REET 2025 L-1&2



**संस्कृत**

**बंदन बैच**

**नियम 4 :** जिस धातु के शुरू में यण् प्रत्याहार का वर्ण हो तो इसके स्थान पर इक् का आदेश हो जाता है।

**वस् + क्त = उस् + क्त = उषितः (इट् का आगम)**

**ब्रु/वच् + क्त उच् + क्त = उक्तः**

**वद् + क्त = उद् + क्त = उदित (इट् का आगम)**

वह + क्त = उह + क्त = ऊढः

[illegible]

( ५४५१५५५५ )



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

**नियम-** इन धातुओं में 'इट्' का आगम होता है। इट् में इ शेष रहता है।

पठ् + क्त = पठितः

पूज् + क्त = पूजितः

कथ् + क्त = कथितः

लिखितः  
छादितः  
पठितः



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

कथ् धातु के समान चलने वाली धातुओं में क्त प्रत्यय इसी तरह जुड़ता है।

दण्ड् + क्त = दण्डितः

क्षल् + क्त = क्षालितः

कुप् + क्त = कुपितः

चुर् + क्त = चोरितः

रच् + क्त = रचितः

शिक्ष् + क्त = शिक्षितः

शुभ् + क्त = शोभितः

हं ता त्वा  
नं



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

अधि + इ + क्त अधीतः

रक्ष् + क्त = रक्षितः

ज्वल् + + क्त = ज्वलितः

पाल् + क्त = पालितः

कम्प् + क्त = कम्पितः

गृह् + क्त = गृहीतः

क्त + याच् + = याचितः

खाद + क्त = खादितः



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

शीङ् + क्त = शयितः

हस् + क्त = हसितः

अर्च् + क्त = अर्चितः

क्रन्द् + क्त = क्रन्दितः

क्षुध् + क्त = क्षुधितः



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

अन्य धातुओं में सीधे जुड़ता है।

आप् + क्त = आप्तः

शक् + क्त = शक्तः

नश् + क्त = नष्टः कि

दुस् + क्त = दुष्टः

लभ् + क्त = लब्धः

शास् + क्त = शिष्टः

व्यज् + क्त = व्यक्तः

लभ् + क्त = लब्धः

दुश् + क्त = दुष्टः

शास् + क्त = शिष्टः



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

रुध् + क्त = रुद्धः लब्धः रुध् भिन्नः प्रसरणः ५९: ६९:

इष् + क्त = इच्छितः

चित् + क्त = चिन्तः

शृ + क्त = शीर्णः

कृ + क्त = कीर्णः

द्रा + क्त = द्राणः

शुष् + क्त = शुष्कः

पच् + क्त = पक्वः

प्राणः

पप् + क्त



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

दृह् + क्त = दृढः

चित् + क्त = चिन्तः

नह् + क्त = नद्धः

स्पश् + क्त = स्पष्टः

धृष् + क्त = धृष्टः

दुह् + क्त = दुग्ध

दह् + क्त = दग्ध (जला हुआ) ✓

अद् + क्त = जग्धः



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

अधि+स्था+क्त = अधिष्ठितः

कम् + क्त = कान्तः

कृष् + क्त = कृष्टः

क्षिप् + क्त = क्षिप्तः

आ + रभ् + क्त = आरब्धः

दा + क्त = दन्तः

धा + क्त = हितः

तृप् + क्त = तृप्तः



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

लुज् + क्त = लूनः

ज् + क्त = जीर्णः

हवे + क्त = हूतः

भुज् + क्त = भुग्नः

क्षै + क्त = क्षामः

उप् + विष् + क्त = उपविष्टः

आ + रुह + क्त = आरूढः

अव + तृ + क्त = अवतीर्णः



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

श्लिष् + क्त = श्लिष्टः

क्षुध् + क्त = क्षुधितः

सृज् + क्त = सृष्टः

बन्ध् + क्त = बद्धः

भ्रस्ज् + क्त = भ्रष्टः

ध्यै + क्त = ध्यातः

दम् + क्त = दान्तः

रुष् + क्त = रुष्टः



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

धाव् + क्त = धावितः

दी + क्त = दीतः

श्रि + क्त = श्रितः

गुह + क्त = गूढः

स्तु + क्त = स्तुतः

मृज् + क्त = मृष्टः

स्नान + क्त = स्नातः

मुह + क्त = मुग्धः



**REET 2025 L-1&2**



**संस्कृत**

**वंदन बैच**

स्वप् + क्त = सुप्तः

उद् + श्चि + क्त = उच्छूनः

हन् + क्त = हतः

12-3 PM

REET One shot